प्रेषक,

उपमहाप्रबन्धक, एम. एण्ड ई.,
एस.पी.एम.यू., एन.आर.एच.एम.,
लखनऊ

सेवा में,

समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांकः– एस.पी.एम.यू. / एन.आर.एच.एम. / एम.एण्ड ई. / 2013–14 / 16 / 1286-75 दिनांकः 21/6/13

विषयः– राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के आर.सी.एच.फ्लैक्सीपूल के कार्यक्रमों एवं टीकाकरण कार्यक्रम की दिनांक 13.06.2013 को सम्पन्न वीडियो कान्फ्रेन्सिग की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त।

महोदय,

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के आर.सी.एच.फ्लैक्सीपूल के कार्यक्रमों एवं टीकाकरण कार्यक्रम की दिनांक 13.06.2013 को वीडियो कान्फ्रेन्सिग के माध्यम से समीक्षा बैठक की गयी। बैठक का कार्यवृत्त पत्र के साथ संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है।

आपसे अनुरोध है कि कार्यवृत्त में अंकित मुख्य बिन्दुओं पर 1 सप्ताह के अन्दर स्पष्टीकरण एवं आख्या परिवार कल्याण महानिदेशालय तथा उसकी 1 प्रति मिशन निदेशक कार्यालय को भी प्रस्तुत करने का कष्ट करें जिससे कि अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

भवदीया,

(डा0 ऊषा गंगवार)
उपमहाप्रबन्धक (एम .एण्ड ई.)

पत्रांकः– एस.पी.एम.यू. / एन.आर.एच.एम. / एम.एण्ड ई. / 2013–14 / 16 तददिनांक

प्रतिलिपि :

1. मिशन निदेशक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर मिशन निदेशक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
3. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश, को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. महानिदेशक, परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश, को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. डा0 मीनू सागर, अपर निदेशक, परिवार कल्याण, प.क. महानिदेशालय, को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
6. डा0 विजयलक्ष्मी, अपर निदेशक, मातृ एवं शिशु कल्याण, प.क. महानिदेशालय, को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
7. डा0 उत्तम कुमार, अपर निदेशक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, प.क. महानिदेशालय, को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
8. डा0 ए.पी. चर्तुवेदी, संयुक्त निदेशक, आर.आई., प.क. महानिदेशालय, को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
9. डा0 पी.के. मलिक, संयुक्त निदेशक, बाल स्वास्थ्य., प.क. महानिदेशालय, को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
10. डा0 नीरा जैन, महाप्रबन्धक, मातृ स्वास्थ्य, एन.आर.एच.एम., को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
11. श्री बी.के. जैन, महाप्रबन्धक, एम.आई.एस., एन.आर.एच.एम., को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
12. डा0 ए.के. वर्मा, महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य, एन.आर.एच.एम., को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
13. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, उत्तर प्रदेश को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
14. समस्त मण्डलीय / जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन.आर.एच.एम., उत्तर प्रदेश को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डा0 ऊषा गंगवार)
उपमहाप्रबन्धक (एम .एण्ड ई.)

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के आर.सी.एच. फ्लैक्सीपूल के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रम एवं टीकाकरण कार्यक्रम की वीडियो कान्फ्रेन्सिग के माध्यम से समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक 13.06.2013

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के आर.सी.एच. फ्लैक्सीपूल के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रम एवं टीकाकरण कार्यक्रम की वीडियो कान्फ्रेन्सिग के माध्यम से दिनांक 13.06.2013 को अपरान्ह 03:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक मिशन निदेशक, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की अध्यक्षता में समीक्षा की गयी जिसमे एस.पी.एम.यू. एवं निदेशालय के निम्न राज्य स्तरीय कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित थे:

- डा0 मीनू सागर, अपर निदेशक, परिवार कल्याण, प.क. महानिदेशालय, लखनऊ।
- डा0 विजयलक्ष्मी, अपर निदेशक, मातृ एवं शिशु कल्याण, प.क. महानिदेशालय, लखनऊ।
- डा0 उत्तम कुमार, अपर निदेशक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, प.क. महानिदेशालय, लखनऊ।
- डा0 ए.पी. चर्तुवेदी, संयुक्त निदेशक, आर.आई., प.क. महानिदेशालय, लखनऊ।
- डा0 पी.के. मलिक, संयुक्त निदेशक, बाल स्वास्थ्य., प.क. महानिदेशालय, लखनऊ।
- डा0 नीरा जैन, महाप्रबन्धक, मातृ स्वास्थ्य, एन.आर.एच.एम., लखनऊ।
- श्री बी.के. जैन, महाप्रबन्धक, एम.आई.एस., एन.आर.एच.एम., लखनऊ।
- डा0 ए.के. वर्मा, महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य, एन.आर.एच.एम., लखनऊ।
- श्री सारांश शर्मा, तकनीकी सलाहकार, मंथन प्रोजेक्ट, लखनऊ।
- डा0 ऊषा गंगवार, उपमहाप्रबन्धक, एम. एण्ड ई., एन.आर.एच.एम., लखनऊ।

समस्त जनपदों से अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, आर.सी.एच., जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं जिला कम्यूनिटी मोबिलाइजर ने वीडियो कान्फ्रेन्सिग में प्रतिभाग किया। कुछ जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारी भी उपस्थित थे। आर.सी.एच. फ्लैक्सीपूल के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रम मातृ स्वास्थ्य, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा की गयी।

सर्वप्रथम टीकाकरण कार्यक्रम की जनपदवार समीक्षा की गयी मिशन निदेशक महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि आगामी 16.06.2013 से पल्स पोलियो अभियान चलाया जायेगा जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली जाये। उन्होने समस्त जिला प्रतिरक्षण अधिकारियों की प्रशंसा की कि आपके कुशल नेतृत्व में पल्स पोलिया प्रोग्राम सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है जिसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेश में गत 3 वर्ष से पोलियो का कोई भी केस नहीं हुआ। उन्होने यह भी अवगत कराया कि पोलियो उन्मूलन हेतु राज्य स्तर पर माननीय मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में संकल्प दिवस मनाया गया जिसमे समस्त अधिकारियों से विशेष प्रयास कर पल्स पोलियो कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किये जाने हेतु संदेश दिया गया जिससे कि उत्तर प्रदेश एवं भारत को पोलियो मुक्त घोषित किया जा सके।

डा0 ए.पी. चर्तुवेदी ने अवगत कराया कि आगामी पल्स पोलियो कार्यक्रम हेतु समस्त जनपदों में पोलियो वैक्सीन पहुंच गयी है सभी जनपद ब्लाक स्तर पर वैक्सीन को पहुंचा दें। अभियान से पहले समस्त जनपद डिस्ट्रिक टास्क फोर्स की बैठक करा लें।

मिशन निदेशक द्वारा पल्स पोलियो कार्यक्रम के लिये निम्न निर्देश दिये गये:

- राज्य से लगे हुये अन्य राज्य की सीमाओं पर पोलियोबूथों पर समस्त बच्चों को पोलियो ड्राप पिलायी जाये तथा कोई बच्चा छूटा न रहे।
- कुछ जनपदों में एक्स हाउस की संख्या अत्यधिक है उसे विशेष टीमे भेज कर लक्षित बच्चों को दवाई पिलाकर कम किया जाये।
- प्रदेश में 66 हाई रिस्क ब्लाक एवं हाई रिस्क ग्रुप साईट हेतु विशेष कार्ययोजना बनाई जाये तथा कार्ययोजना में समस्त घरों को सम्मिलित किया जाये।
- इंडो नेपाल बॉर्डर पर विशेष बूथ लगाकर निरन्तर आने जाने वाले लक्षित बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाये।
- मेले, उर्स में पोलियो की बाई वैलेन्ट पोलियो ड्राप पिलाई जायेगी।
- गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद एवं सम्भल में पोलियो केस के पुराने इतिहास को देखते हुये कार्यक्रम के लिये काफी ध्यान देने की आवश्यकता है कार्ययोजना बनाकर समस्त लक्षित बच्चों को पोलियो दवाई पिलाई जाये।

डा0 ए.पी. चर्तुवेदी द्वारा अवगत कराया गया कि पल्स पोलियो अभियान दिनांक 07 अप्रैल, 2013 का निम्न जनपदों द्वारा व्यय--विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है:--

आगरा, मैनपुरी, अलीगढ़, एटा, कासगंज, हाथरस, इलाहाबाद, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, पीलीभीत, शाहजहांपुर, जालौन, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, महोबा, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, सुल्तानपुर, अमेठी, श्रावस्ती, आजमगढ, बलिया, मऊ, देवरिया, गोरखपुर, महाराजगंज, कुशीनगर, संतकबीरनगर, औरैया, फर्रूखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हरदोई, खीरी, लखनऊ, सीतापुर, बागपत, जी0बी0 नगर, गाजियाबाद, हापुर, मेरठ, शामली, सहारनपुर, मुरादाबाद, सम्भल, रामपुर, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, चन्दौली, गाजीपुर, जौनपुर एवं वाराणसी। (56 जनपद)

मिशन निदेशक द्वारा उपरोक्त जनपदों को तत्काल व्यय विवरण भेजने के निर्देश दिये गये।

नियमित टीकाकरण कार्यक्रमः माह अप्रैल 2013 के एच.एम.आई.एस. पोर्टल पर उपलब्ध कराये गये नियमित टीकाकरण के आंकडों की समीक्षा की गयी।

- एच0एम0आई0एस0 डाटा वर्ष 2012--13 के अनुसार निम्नलिखित 10 जनपदो में पूर्ण प्रतिरक्षित बच्चों का प्रतिशत (0–11 माह) न्यूनतम पाया गया :
  वाराणसी (15.73% 15818) महाराजगंज (23.74% 17284), खीरी (54.55% 159810), अम्बेडकरनगर (56.07% 36740), बागतप (58.14% 20680), महोबा (59.78% 14305), हमीरपुर (62.13% 18736), संतकबीरनगर (63.19% 29588), बिजनौर (64.6% 65001), फर्रूखाबाद (68.96% 35555)
- निम्नलिखित 09 जनपदों द्वारा पूर्ण प्रतिरक्षित बच्चों के प्रतिशत (12–23 माह) की सूचना एच0एम0आई0एस0 पोर्टल पर पूरे वर्ष शून्य दर्शायी है:–
  आगरा, बलिया, देवरिया, शाहजहांपुर, बदायूं, औरैया, अमेठी, खीरी, गाजियाबाद
- एच0एम0आई0एस0 डाटा (अप्रैल, 2013) के अनुसार निम्नलिखित 10 जनपदों में पूर्ण प्रतिरक्षित बच्चों का प्रतिशत (0–11 माह) का प्रतिशत न्यूनतम पाया गया:–
  खीरी (0%), अमरोहा (.27%,137), हमीरपुर (.61% 184), जौनपुर (.98% 1210), बस्ती (1.23% 829), बहराइच (1.23% 1176), महोबा (1.73% 415), महाराजगंज (1.81% 1325), फतेहपुर (1.9% 1373), रायबरेली (2.02% 1349)

- हेपेटाइटिस बी की बर्थ डोज की सूचना निम्नलिखित 34 जनपदों द्वारा एच0एम0आई0एस0 पोर्टल पर शून्य दर्शायी गयी है:–
  आगरा, अलीगढ़, औरैया, आजमगढ़, बागपत, बहराचइच, बलरामपुर, बाराबंकी, बरेली, बिजनौर, बदायूं, अमेठी, चन्दौली, देवरिया, फर्रूखाबाद, गाजियाबाद, गाजीपुर, गोण्डा, हरदोई, झांसी, अमरोहा, कानपुर, कासगंज, कुशीनगर, महाराजगंज, मथुरा, मैनपुरी, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रतापगढ़, संतकबीर नगर, शाहजहांपुर, सीतापुर एवं सोनभद्र।
- सीरियस ए0ई0एफ0आई0 (मृत्यु) की सूचना 8 जनपदों द्वारा एच0एम0आई0एस0 पोर्टल पर लाइनलिस्ट के सापेक्ष निम्नानुसार अधिक दर्शायी गयी है:–
  बस्ती (12), फिरोजाबाद (31), बुलन्दशहर (31), गोरखपुर (3), लखनऊ (1), मऊ (11), सुल्तानपुर (4), वाराणसी (5)
- निम्नलिखित 26 जनपदों द्वारा एच0एम0आई0एस0 पोर्टल पर मिजिल्स द्वितीय डोज की सूचना दर्शायी गयी जबकि मिजिल्स कैच अप कैम्पेन समाप्त हुये उक्त जनपदों में अभी 06 माह व्यतीत नहीं हुये हैं:–
  इलाहाबाद, बस्ती, बुलन्दशहर, चित्रकूट, फतेहपुर, फिरोजाबाद, गोण्डा, गोरखपुर, हाथरस, जालौन, जौनपुर, कन्नौज, कानपुर देहात, कासगंज, ललितपुर, महोबा, मऊ, मेरठ, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, भदोही, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, उन्नाव एवं वाराणसी।
- विशेष टीकाकरण सप्ताह (दिनांक 03–08 जून, 2013) में डब्लू0एच0ओ0–एन0पी0एस0पी0 के मानिटरिंग फीडबैक में निम्नलिखित मानकों के अनुसार कमियां पायी गयीः–
  - जनपद श्रावस्ती (31.4%) फतेहपुर (29.9%), सिद्धार्थनगर (28.9%), चित्रकूट (27.3%) में टीकाकरण सत्रों का आयोजन नहीं किया गया।
  - जनपद बलिया (83.7%), कुशीनगर (81.8%), चित्रकूट (79.2%), प्रतापगढ़ (75%) सत्रों पर ड्यू लिस्ट उपलब्ध नहीं थी।
  - जनपद प्रतापगढ़ (98.8%), अमेठी (89.4%), सुल्तानपुर (78.8%), श्रावस्ती (71.4%) सत्रों पर सभी वैक्सीन में से कोई एक वैक्सीन अथवा डायलुवेन्ट की उपलब्धता नहीं थी।
  - जनपद सिद्धार्थनगर (68.8%), मऊ (41%), सुल्तानपुर (40.9%), अमेठी (36.2%) सत्रों पर टीकाकरण कार्ड उपलब्ध नहीं थे।
- पिछले दोनों विशेष टीकाकरण सप्ताह में जनपद आगरा, बलिया, कासगंज, देवरिया निम्नलिखित मानकों में लगातार खराब पाये गये:–
  - देवरिया (दोनो सप्ताह में सप्ताह से पूर्व डी0टी0एफ0 नहीं करायी गयी), बलिया (ड्यू लिस्ट की उपलब्धता दोनों सप्ताह में क्रमशः 94% एवं 84% सत्रों पर नहीं थी) आगरा (दोनों सप्ताह में क्रमशः 45 एवं 44 प्रतिशत सत्रों पर मोबिलाइजर उपस्थित नहीं थे) कासगंज (दोनो सप्ताह में 82% सत्रों पर ए0एन0एम0 द्वारा 04 महत्वपूर्ण संदेश नहीं दिये जा रहे थे)
- जे0ई0 टीकाकरण के अर्न्तगत 19 जनपदों (गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, संतकबीर नगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, खीरी, रायबरेली, हरदोई, गोण्डा, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सहारनपुर, आजमगढ़, बलिया, मऊ में छूट हुये बच्चों का टीकाकरण दिनांक 30 जून, 2013 तक शत्–प्रतिशत आच्छादन कराकर निर्धारित प्रारूप पर दिनांक 01 जुलाई, 2013 तक सूचना अवश्य प्रेषित कर दी जाये।
- दिनांक 22 अप्रैल, 2013 से मिजिल्स कैच अप अभियान का अन्तिम चरण प्रदेश के 23 जनपदों में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसके अर्न्तगत कुल 11641676 बच्चों (95.6%) को आच्छादित किया गया। उक्त अभियान में दो जनपदों (चित्रकूट 84.4 एवं सिद्धार्थनगर 86.3) का प्रतिशत 90 से कम रहा है।

उपरोक्त के क्रम में मिशन निदेशक द्वारा समस्त जिला कार्यक्रम प्रबन्धकों को यह निर्देश दिये कि समस्त डी.पी.एम. समस्त कार्यक्रमों की एच.एम.आई.एस. एवं एम.सी.टी.एस. पोर्टल पर सही सूचनायें उपलब्ध करायें तथा इस वर्ष में डी.पी.एम. के मूल्यांकन हेतु काम्पोजिट इंडेक्स में यह बिन्दु आवश्यक रूप से देखा जायेगा। इस आधार पर 10 प्रतिशत खराब डी.पी.एम. को चिन्हित किया जायेगा तथा कार्यवाही की जायेगी।

मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम:

- मिशन निदेशक ने सर्वप्रथम यह अवगत कराया कि वर्ष 2011–12 से वर्ष 2012–13 में जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों में कमियां आई हैं इसमें आशा एवं ए.एन.एम. के कार्यों की समीक्षा की जाये।
- डा0 विजयलक्ष्मी ने वर्ष 2013–14 हेतु नये दिशानिर्देशों का संदर्भ देते हुये अवगत कराया:
  - जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को बढाने के लिये नर्सिंग होम को एक्रीडेट किया जाये तथा उनसे सूचनायें प्राप्त की जायें।
  - गर्भवती महिला का पंजीकरण के समय पर एम.सी.टी.एस. नम्बर जरूर दिया जाये।
  - आशा के नये प्रोत्साहन राशि का यह दिशानिर्देश सभी जनपद चले गये हैं तदनुसार कार्यवाही की गयी।
  - एम.सी.पी. कार्ड उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।
  - 6 पायलट जनपदों में आधार कार्ड के अनुसार इनेबल्ड पेमेण्ट सिस्टम से सम्बद्ध किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।
- मिशन निदेशक द्वारा निर्देश दिये गये:
  - समस्त चिकित्सालयों में डाक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाये अगले माह से फैसिलिटीवार डाक्टरों की सूचना राज्य स्तर पर उपलब्ध करायी जानी है।
  - जो आशायें एवं ए.एन.एम. खराब कार्य कर रही हैं उन्हें चिन्हित किया जाये।
  - जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत चिन्हित 5 निःशुल्क सेवायें प्रदान की जाये जो जनपद यह सेवायें देने में आसक्षम हैं उनसे स्पष्टीकरण मांगा जायेगा।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम:

- डा0 उत्तम कुमार, अपर निदेशक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद रायबरेली एवं रामपुर में बाल स्वास्थ्य गारंटी योजना का कार्य शुरू नहीं हुआ है इस सम्बन्ध में तत्काल निर्णय लिये जाने की आवश्यकता है।
- जनपद कानपुर देहात, औरैया, देवरिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर तथा गाजीपुर में बैकल्पिक टीम से कार्य कराया जा रहा है जिसमें नियमित संविदा टीम की तैनाती होनी है।
- मिशन निदेशक द्वारा यह निर्देश दिये गये कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत ऐसे बच्चों गंभीर रोग से पीडित बच्चों को चिन्हित किया जाये जिनको मेडिकल कॉलेज संदर्भित किया गया है तथा इसकी सूचना राज्य स्तर पर भी भेजी जाये।

अन्त में मिशन निदेशक द्वारा अगली वीडियो कान्फ्रेन्सिग के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये सभी अधिकारियों को कडी मेहनत के साथ निष्ठा से कार्य करने की अपील की।

Usha
15.6.2013

19/6